



परिश्रम के द्वारा मजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

अंक : 92 • वर्ष : 14 • रायपुर, शनिवार 10 अक्टूबर 2026 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 3 रूपए • संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

विजयी भाजपा उम्मीदवारों को पीएम ने दी बधाई

■ सुशासन पर जनता के भरोसे का प्रमाण- पीएम मोदी

नई दिल्ली। उपचुनावों में भाजपा को मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता का आभार व्यक्त किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर कहा कि यह जीत सुशासन के एजेंडे पर जनता के गहरे भरोसे का प्रतीक है। पीएम ने लिखा, लोगों के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के लिए उनका आभार। नगांव (असम) के लोकसभा चुनाव और नंदीग्राम व रेजीनगर (पश्चिम बंगाल) के विधानसभा चुनाव के नतीजे एक बार फिर दिखाते हैं कि लोगों का भाजपा-एनडीए के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है। पीएम मोदी ने जीत हासिल



करने वाले सभी भाजपा उम्मीदवारों को बधाई दी और पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने लिखा, मैं जीत हासिल करने वाले भाजपा उम्मीदवारों को बधाई देता हूँ और अपनी पार्टी के

कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूँ। पश्चिम बंगाल की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यहां भाजपा के शंखरावह सरकार ने 1,29,914 वोट हासिल कर 75 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की। वहीं नंदीग्राम सीट, जिसे कभी ममता बनर्जी बनाम सुवेंदु

अधिकारी की लड़ाई के लिए जाना जाता था, वहां भी भाजपा ने अपना दबदबा बनाए रखा है। इसी तरह असम की नगांव लोकसभा सीट पर भी भाजपा ने जीत हासिल की है। इस सीट को असम में भाजपा का मजबूत

गढ़ माना जाता है और यहां की जीत ने एक बार फिर पूर्वोत्तर में पार्टी की पकड़ को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने अपने सहयोगी दल को भी बधाई दी। उन्होंने लिखा, मैं पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर जीत के लिए एनडीए के अपने अहम सहयोगी, एआईएनआरसी को भी बधाई देता हूँ।

पुडुचेरी में एनडीए गठबंधन में शामिल ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने थट्टनचावडी सीट पर जीत दर्ज की है। पीएम मोदी ने अपने संदेश के अंत में कहा, यह जनादेश हमें और मजबूती देगा, क्योंकि हम लोगों की भलाई और उनके बेहतर व समृद्ध भविष्य की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

नंदीग्राम उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार हसीरानी रथ ने 1,22,753 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से चुनाव जीत लिया है। भाजपा उम्मीदवार को 1,64,427 वोट मिले, वहीं कांग्रेस के मिलन प्रधान 41,674 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रहे। सीपीआई के शांति गोपाल गिरी 5,779 वोट पाकर तीसरे स्थान और उनके बाद ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट के अली मोहम्मद साबे मिराज खान 1,607 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे। रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक तुणमूल कांग्रेस सिर्फ 853 वोट पाकर पांचवें स्थान पर रही। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली ऑल इंडिया तुणमूल कांग्रेस इस बार नंदीग्राम में चुनावी दौड़ में शामिल नहीं थी।



युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी से ही होगा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण : मुख्यमंत्री साय



■ मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच के 36 युवाओं से मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के द्वितीय बैच के प्रतिभागियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं के सवालों के जवाब दिए और अपने छात्र जीवन, संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियों से लेकर जनसेवा और सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव उनके साथ साझा किए। उन्होंने युवा फेलो से कहा कि वे इस अवसर का उपयोग केवल शासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने ज्ञान, कौशल और नवीन विचारों के माध्यम से जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास शिक्षा, ऊर्जा, प्रतिभा और नए विचारों की शक्ति है। जब यही शक्ति

जनकल्याण और समाज की बेहतरी से जुड़ती है तो बड़े परिवर्तन का आधार बनती है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम और प्रत्येक दायित्व का निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन सफलता के साथ आत्मसंतुष्टि भी प्रदान करता है।

संवाद के दौरान युवा प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री श्री साय से फेलोशिप को लेकर उनकी अपेक्षाओं, सुशासन, शिक्षा, रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक, प्रदेश के विकास में युवाओं की भूमिका और उनके व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक जीवन की यात्रा से जुड़े अनेक प्रश्न किए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रश्नों का सहजता और आत्मीयता से जवाब दिया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस राष्ट्रीय संकल्प को अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित प्रदेश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत आज विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति करते हुए विश्व में अपनी सशक्त भूमिका स्थापित कर रहा है। इस यात्रा को और गति देने में युवाओं की भूमिका निर्णायक है।

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवार जीते

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए सियासी तस्वीर साफहो गई है। भारतीय जनता पार्टी के आठ और समाजवादी पार्टी के दो उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। नामांकन पत्रों की जांच में दो निर्दलीय उम्मीदवारों के पत्र खारिज होने और नाम वापसी की समयसीमा तक किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में नहीं रहने से सभी सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया। इसके साथ ही 16 अक्टूबर को प्रस्तावित मतदान की आवश्यकता समाप्त हो गई और उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का



प्रतिनिधित्व भी खत्म हो गया। भाजपा की ओर से राज्यसभा पहुंचने वालों में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मपाल सिंह, भाजपा के प्रदेश ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष प्रकाश पाल, श्रुति गंगवार, विद्यासागर सोनकर, प्रियंका सिंह रावत, राधाकांत ओझा, गोपी कृष्ण पांडेय और राम प्रताप सिंह चौहान शामिल हैं।

दिहली में प्रदर्शन से पहले मेट्रो बंद करने पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

■ नियंत्रित तरीके से संचालन के दिए निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिहली में मेट्रो ट्रेन सेवाओं को पूरी तरह बंद नहीं करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि मेट्रो और अन्य रेल सेवाओं का संचालन उचित नियमन के साथ जारी रखने के लिए कदम उठाए जाएं, ताकि आम जनता को असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति मोहना की पीठ ने शुक्रवार को यह



आदेश दिया। यह आदेश तब आया, जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि अधिकारी प्रस्तावित प्रदर्शन के मेहनेजर लगाए गए प्रतिबंधों पर पुनर्विचार

करेंगे। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर कांक्रोक जनता पार्टी की ओर से प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके सामने मुख्य सवाल यह है कि कुछ मेट्रो स्टेशनों से मेट्रो ट्रेनों और रेल सेवाओं को पूरी तरह रोकना प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए उचित और आनुपातिक प्रतिबंध है या नहीं। पीठ ने कहा कि आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने और सेवाओं को नियंत्रित तरीके से संचालित करने में अंतर है। अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाते समय आनुपातिकता के सिद्धांत को ध्यान में रखना चाहिए।

मानव | ग्रह | प्रगति जिम्मेवार खनन और नवाचार के माध्यम से विकास को बढ़ावा

एनएमडीसी लिमिटेड की 68वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का वक्तव्य



प्रिय शेयरहोल्डर्स,

मुझे एनएमडीसी लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, एक ऐसा वर्ष जो मजबूत प्रदर्शन, महत्वपूर्ण माइलस्टोन और हमारी दीर्घकालिक विजन की दिशा में निरंतर प्रगति को चिह्नित करता है।

वर्ष 2026 ने हमारी राष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय चिह्नित किया है। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की प्रगति स्थिर और निर्णायक बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में 7.7% की हमारी वास्तविक जीडीपी वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत और निवेश गति को दर्शाती है। भारत प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक भागीदारी में भी नेतृत्व को सुनिश्चित कर रहा है।

एनएमडीसी के लिए यह 'यूरेका' क्षणों से भरा वर्ष रहा है, जहां हमने अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की पहचान की और अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने के लिए गहन परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। वित्त वर्ष 26 में, हम भारत में एक ही वर्ष में 50 मिलियन टन से अधिक लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली पहली खनन कंपनी बन गए हैं और इतिहास रचते हुए 53.16 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन और 50.24 मिलियन टन की बिक्री हासिल की। ये आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष उत्पादन में 20.62% की वृद्धि और बिक्री में 13.15% की वृद्धि को दर्शाते हैं, जो कि वर्तमान उत्पादन और बिक्री उपकरणों और बुनियादी ढांचे की क्षमताओं और काबिलियत को अनुकूलित और पार करके स्वाभाविक रूप से प्राप्त किया है। एनएमडीसी ने एक ही वर्ष में उत्पादन में इतनी बड़ी बढ़ोतरी करके अपनी क्षमता साबित की है, जो उद्योग में अमूर्तपूर्व और अद्वितीय है। इस साराहनीय प्रदर्शन के माध्यम से, एनएमडीसी ने भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास की नींव को मजबूत करने में विशेष योगदान दिया है।

यह परिचालन उत्कृष्टता स्वाभाविक रूप से कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में परिलक्षित हुई, जिसने कारोबार और अन्य वित्तीय पैरामीटर में नए शिखर दर्ज किए। परिचालन से राजस्व 33.31% बढ़कर 31,554 करोड़ रूपए हो गया, कर-पश्चात लाभ 10.88% बढ़कर 7,421 करोड़ रूपए दर्ज हुआ और नेटवर्क 14.39% बढ़कर 33,836 करोड़ रूपए हुआ। एनएमडीसी ने वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय में 3,384 करोड़ रुपये का निवेश किया और शेयरधारकों को महत्व देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.50 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया और 1 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा, जो कि शेयरधारक अनुमोदन के अधीन है।

भारत में तेजी से हो रहे औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और जिम्मेदारी से प्रबंधित खनिज संसाधनों की आवश्यकता है। इसलिए 100 एमटीपीए लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की हमारी विजन 2030 केवल एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक खनिज सुरक्षा और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

विकास के आधार को मजबूत करना

एनएमडीसी की यात्रा का अगला चरण अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षा को सुरक्षित, कुशल और मरोसेमंद संचालन में बदलने पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हमारा 60 एमटी का उत्पादन लक्ष्य, 100 एमटीपीए के मार्ग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमारे एकीकृत खनन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई। किरंदुल-जागदलपुर रेल-लाइन के दोहरीकरण की 98% प्रगति हो चुकी है, जिसमें 140 किमी का काम पूरा हो चुका है और इसे चालू किया जा चुका है। साथ ही, 26 सितंबर, 2026 को कंपनी ने अपनी स्लरी पाइपलाइन परियोजना को कमीशन किया और इसके साथ नगरनार, छत्तीसगढ़ में अपने पेलेट प्लांट में फायर्ड पेलेट की पहली बैच का उत्पादन किया। यह उपलब्धि पूरे एसपीएल प्रणाली के सफल एकीकृत कमीशनिंग को चिह्नित करता है, जिसमें बघेली में लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र (आईओपीपी), तीन जिलों को पार करने वाली 135 किमी लंबी स्लरी पाइपलाइन और नगरनार में 2.0 मिलियन टन पेलेट प्लांट शामिल हैं। ये परियोजनाएं निकासी क्षमता को बढ़ाएंगी और बैलाडीला मूल्य-शृंखला की समग्र दक्षता में सुधार करेंगी।

एनएमडीसी ने अपने घरेलू खनिज पोर्टफोलियो में विविधता लाना जारी रखा है। झारखंड में तोकित्सूद नॉर्थ परियोजना ने जनवरी 2026 में खनन कार्य शुरू किया, जो घरेलू कोयला खनन में हमारी एंट्री को चिह्नित करता है।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के माध्यम से बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट-4 की शुरुआत फरवरी 2026 में वाणिज्यिक संचालन के साथ की गई थी। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट-13 के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की गई, जो एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड का ही एक हिस्सा है। इसके परिणामस्वरूप परवर्ती महीनों में इसका वाणिज्यिक संचालन शुरू होगा।

मुझे यह बताते हुए भी गर्व हो रहा है कि एनएमडीसी ने अपने मानव पूंजी के अथक और समर्पित प्रयासों को सही मान्यता देते हुए वर्ष के दौरान नई आवास और सहायक सुविधाओं को चालू करके परियोजनाओं में अपने कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए वास्तविक प्रयास किए और बैलाडीला और दोगिमर्ग परिसरों के अपने टाउनशिप में कुछ अन्य ऐसी परियोजनाओं की शुरुआत की।

एक विश्व स्तरीय, वैश्विक खनिज डिमांड कंपनी के रूप में उभरने के लिए दुर्बई, यूएई और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हमारे कार्यालयों के खुलने के साथ हमारी गंभीरतापूर्ण प्रयासों को एक बड़ी गति मिली है। इन कार्यालयों से विदेश में एनएमडीसी की खनिज विविधीकरण यात्रा में सहायता मिलने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी, सुस्थिरता और लोग

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार एनएमडीसी के संचालन का एक अभिन्न अंग हैं, जिसका उद्देश्य परिचालन दृश्यता, निर्णय लेने, उत्पादकता और सुरक्षा में सुधार करना है। उठाए गए पहलों में डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट, ऑटोमैटिक सैंपलिंग, डिजिटल रूप से सक्षम ड्रिलिंग और ब्लॉस्टिंग, रियल-टाइम मटेरियल विजिबिलिटी और इंटीग्रेटेड स्टॉकबिलिटी डेटा सिस्टम शामिल हैं।

जिम्मेदारीपूर्ण विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता समान रूप से मजबूत बनी हुई है। एनएमडीसी अधिक ऊर्जा और संसाधन दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग में वृद्धि, बेहतर जल और भूमि प्रबंधन और कम-कार्बन लॉजिस्टिक्स पर कार्य कर रहा है। हमारी नेट जीरो रणनीति और रोडमैप, हमारे संचालन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए एक व्यवस्थित दिशा प्रदान करते हैं।

इस परिवर्तन के केंद्र में हमारे लोग हैं। सुरक्षा हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जो कुशल-विकास, नेतृत्व को बेहतर बनाने और डिजिटल क्षमताएं बढ़ाने के माध्यम से मानव-पूंजी में विशेष रूप से निवेश कर रही है।



सीएसआर पहलों के माध्यम से एनएमडीसी स्वास्थ्य-देखभाल, शिक्षा, कौशल-विकास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे में भी योगदान दे रहा है, विशेषकर हमारे प्रचालन के आस-पास के क्षेत्रों में।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

कॉर्पोरेट गवर्नेंस एनएमडीसी की संगठनात्मक संस्कृति का मुख्य आधार है, जो हमारे काम-काज और निर्णय लेने के हर पहलू को मजबूती देता है। हम अपने सभी हितधारकों, जिनमें शेयरधारक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, ऋणदाता, भारत सरकार, राज्य सरकारें, नियामक प्राधिकरण और वे समुदाय हैं, जिनकी हम सेवा करते हैं, उनके लिए स्थायी दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अखंडता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए, शब्दों और भावना दोनों में, हम लागू नियमों और विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। पारदर्शी शासन प्रथाओं, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेने के माध्यम से, हम हितधारकों के विश्वास को मजबूत करते हैं और मूल्य-निर्माण को सुस्थित रखते हैं।

भविष्य की राह

आने वाला वर्ष निष्पादन, समेकन और परिवर्तन का वर्ष होगा। हमारे उच्च उत्पादन आधार को स्थिर करना, 60 एमटी उत्पादन माइलस्टोन तक पहुंचना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं को पूरा करना और क्षमता-विस्तार के अगले चरणों को आगे बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताएं बनी रहेंगी।

100 एमटीपीए की ओर यात्रा के लिए परिचालन उत्कृष्टता, अनुशासित पूंजी आवंटन, मजबूत परियोजना निष्पादन, प्रौद्योगिकी अपनाने और सुरक्षा व स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, एनएमडीसी भारत की विकसित हो रही खनिज-सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में विविधीकरण के अवसरों का पता लगाना जारी रखेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि एनएमडीसी के पास आगे आने वाले अवसरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए संसाधन, क्षमताएं और संस्थागत ताकत है। हम एक ऐसा उद्यम बना रहे हैं जो पैमाने में बड़ा, क्षमता में मजबूत, प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक स्मार्ट और अपने कार्यों में अधिक जिम्मेदार है।

मैं भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अन्य सरकारी विभागों और राज्य सरकारों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं अपने कर्मचारियों और उनके यूनियनों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, साझेदारों, मेजबान समुदायों, नियामकों और शेयरधारकों को उनके निरंतर विश्वास और भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

हम सभी मिलकर एनएमडीसी को विश्व-स्तर पर प्रतिस्पर्धी खनन उद्यम के रूप में विकसित करेंगे और एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर और खनिज-सुरक्षित भविष्य की ओर भारत की यात्रा के केंद्र में बने रहेंगे।

तय छिंद !

दिनांक : 28.09.2026

स्थान : हैदराबाद

अमिताभ मुखर्जी

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक



एनएमडीसी
NMDC

जिम्मेवार खनन
वैज्ञानिक | सुस्थिर | सुस्थिरां बिस्वोते हुए

साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए जनभागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय साइबर जागृति अभियान एवं ट्रैफिक हैकार्थॉन-2026 के अभिनंदन समारोह में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। डिजिटल युग में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आए हैं और इनसे सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता, सतर्कता और जनभागीदारी है। साइबर साक्षा केवल शासन और पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। हमें साइबर जागरूकता को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा, तभी हम साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों से सुरक्षित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित 'साइबर जागृति अभियान एवं ट्रैफिक हैकार्थॉन-2026' के अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने देश में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डिजिटल इंडिया की परिकल्पना प्रस्तुत की थी, उस समय इतने विशाल देश और बड़ी ग्रामीण आबादी के बीच डिजिटल अर्थव्यवस्था की सफलता को लेकर अनेक आशंकाएं व्यक्त की जाती थीं। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। गांव का साभूतय से नागरिक भी मोबाइल फोन के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर रहा है और तकनीक के जरिए देश-दुनिया से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के विस्तार ने जहां नागरिकों के जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर ठगी और डिजिटल अपराधों की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। अपराधी नई-नई तकनीकों और तरीकों का उपयोग कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। कई बार तकनीकी रूप से जानकार व्यक्ति भी इनके जाल में फंस जाते हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को साइबर अपराध के तौर-तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक चलाए गए सात सप्ताह के विशेष साइबर जागृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने साइबर सुरक्षा के संदेश को शहरों से लेकर गांवों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग विषयों को केंद्र में रखकर अभिनव गतिविधियां आयोजित की गईं। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, हाट-बाजारों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर नागरिकों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान 5 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 5 लाख से अधिक सेल्फी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई और लगभग 1 करोड़ 70 लाख लोगों तक साइबर अपराधों से बचाव का संदेश



पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि साइबर सुरक्षा अब केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार और नागरिक से जुड़ा विषय बन चुका है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि साइबर जागृति अभियान को किसी निश्चित अवधि तक सीमित नहीं रखा जा सकता। सात सप्ताह का यह अभियान समाप्त जरूर हुआ है, लेकिन साइबर जागरूकता की यह यात्रा आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए पुलिस और प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं और आम नागरिकों को भी सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। विशेष रूप से युवाओं को साइबर

जागरूकता के संवाहक के रूप में आगे आकर अपने परिवार और समाज को सुरक्षित बनाने में योगदान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ट्रैफिक हैकार्थॉन-2026 की सराहना करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर का तेजी से विस्तार हो रहा है। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के साथ यातायात प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए तकनीक, नवाचार और जनभागीदारी का बेहतर समन्वय आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रैफिक हैकार्थॉन के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थाओं ने राजधानी की यातायात समस्याओं का अध्ययन कर व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए हैं। सरकार इन सुझावों पर गंभीरता से विचार करेगी तथा जो समाधान उपयोगी और व्यवहारिक

होंगे, उन्हें लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा विकास की बुनियादी आवश्यकता है। सार्वजनिक परिवहन के साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण पहले ग्रामीणों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ग्रामिण बस सेवा प्रारंभ की गई है। विशेष रूप से वर्षों तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर सहित दूरस्थ क्षेत्रों में बस सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। ऐसे मार्गों पर 100 से अधिक बसें का संचालन किया जा रहा है, जहां आर्थिक रूप से लाभकारी नहीं होने के कारण पहले बस सेवाएं उपलब्ध नहीं थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लाभ-हानि से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दी है और इन मार्गों पर बस संचालन से होने वाली आर्थिक क्षति की भरपाई की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के साथ बस में यात्रा के दौरान उन्होंने स्वयं देखा है कि यह सेवा किस तरह लोगों के जीवन में सुविधा और खुशियां लेकर आई है।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि आज दुनिया में होने वाले डिजिटल लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में हो रहा है। ग्रामीण

युवाओं के सपनों को रोजगार की उड़ान दे रही साय सरकार

: गुरु खुशवंत साहेब



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़ना साय सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के मार्गदर्शन में युवाओं को रोजगार के ब्यापक अवसर उपलब्ध कराने के लिए आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आज उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में 7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेले में प्रदेशभर से 13 हजार से अधिक युवाओं ने सहभागिता की। इनमें से 5 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का अंतिम चयन हुआ। समापन अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के करमलतों से लगभग 1,100 चयनित युवाओं को ऑफर लेटर प्रदान किए गए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की युवा

शक्ति प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी ताकत है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का कोई भी युवा अपनी योग्यता और क्षमता के बावजूद अवसर से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से शिक्षा से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला युवाओं और उद्योगों को सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। एक ही मंच पर बड़ी संख्या में कंपनियों और युवाओं की मौजूदगी से अभ्यर्थियों को अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार तलाशने का अवसर मिला है। 5 हजार से अधिक युवाओं का अंतिम चयन इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें सही अवसर उपलब्ध कराने की है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेले में प्रदेश के सभी जिलों से युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./35949/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35949
वाई का नाम- 15 कन्हेया लाल बाजारी वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR107L00392 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती U.VENKAT RAO पिता/पति, श्री/श्रीमती U.ACHAIYA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. URLAPU KRISHNA RAO 2. U YOGESHWAR RAO पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O U VENKAT RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री अशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहवा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com
पत्र क्र./36189/न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36189
वाई का नाम- 2 -पं. जवाहर लाल नेहरू वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802K01842 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PRAVIN KUMAR SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती LAL BAHADUR SINGH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MAYANK SACHDEVA पिता/पति, श्री/श्रीमती NARESH SACHDEVA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहवा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com
पत्र क्र./36208/न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36208
वाई का नाम- 21 - शहीद भगतसिंह वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR813B01280 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHIRISH RAO पिता/पति, श्री/श्रीमती S.G.M.RAO के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती GARIMA SADANA पिता/पति, श्री/श्रीमती RAJINDER SINGH SADANA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्र./36204/न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36204
वाई का नाम-25- संत रामदास वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 25 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818F00169 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SMT. SUMIRTA SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती KAMDEV SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती कमला साहू पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री जोगेश्वर साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
डॉ. तुपति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्र./36191/न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36191
वाई का नाम-25- संत रामदास वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 25 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR819B00143 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUDHA VARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती RAVI VARMA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती प्रदीप कुमार वर्मा पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री रवि वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
डॉ. तुपति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्र./36135/न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36135
वाई का नाम-25- संत रामदास वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 25 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR819B00263 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HEM SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती BISRAM RAJPUT के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SHRI LALIT KHURANA पिता/पति, श्री/श्रीमती SHRI M. L. KHURANA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
डॉ. तुपति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्र./36134/न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36134
वाई का नाम-25- संत रामदास वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 25 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR818F00532C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HARICHAND SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती BIPAT SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SHRI DHARMENDRA YADAV पिता/पति, श्री/श्रीमती SHRI BOHAR RAM YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
डॉ. तुपति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन क्षेत्र-01, सिरपुर भवन, खवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID - ecocghzone1@gmail.com

आम-सूचना
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अंतर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक एल.आई.जी.- 69/826 द्वितीयतल में श्री अतुल कुमार मिश्रा पिता श्री दिनेश प्रसाद मिश्रा को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आवंटित / नामांतरित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, सम्पदा प्रबंधन क्षेत्र-01 कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./35932/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35932
वाई का नाम- 3 संत कबीर दास वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 3 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104M00104 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAMESH SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती SHIVCHARAN SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAJ NARAYAN SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती MANBODHI RAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री अशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाटा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र./36170/न.पा.नि./जोन क्र. 6/2026
रायपुर दिनांक : 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36170
वाई का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR650B00273 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती MR. NAVNEET KUMAR JAIN पिता/पति, श्री/श्रीमती KAJAL JAIN के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती NAVEEDYA FOOD PRODUCTS 1 DOULAT CHAND JAIN S/O LT. KISHOR CHAND JI 2 SURESH PARAKH S/O SAMPATLAL JI PARAKH पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SAMPATLAL JI PARAKH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाटा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र./36133/न.पा.नि./जोन क्र. 6/2026
रायपुर दिनांक : 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36133
वाई का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR650B00274 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती MRS. SHEETAL GOLCHHA पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O DWARIKA PRASAD SONI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती DHIRENDR KUMAR SONI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LT. RAM CHANDRA SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SHAPATH PATRA, SAHMATI PATRA AND DEATH CERTIFICATE OR PANCHNAMA / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाटा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com
पत्र क्र./36171/न.पा.नि./जोन क्र. 6/2026
रायपुर दिनांक : 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36171
वाई का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR650B00274 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती MRS. SHEETAL GOLCHHA पिता/पति, श्री/श्रीमती MUKUND GOLCHHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती NAVEEDYA FOOD PRODUCTS 1 DOULAT CHAND JAIN S/O LT. KISHOR CHAND JI 2 SURESH PARAKH S/O SAMPATLAL JI PARAKH पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SAMPATLAL JI PARAKH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री अशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./35895/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35895
वाई का नाम-17 वीर शिवाजी वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR107E00123 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती P.S.CHAHHAN पिता/पति, श्री/श्रीमती GORISHANKAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 01.PRITHIVIPAL SINGH CHAWHAN 02. RAJESHWAR SINGH CHAUHAN पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O GOURI SHANKAR CHAUHAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री अशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./36000/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36000
वाई का नाम- 17 ठक्कर बापा वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR109C000507 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BIHARI LAL SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती DASURAM SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SEVAK RAM SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O LATE. BIHARI SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ 01.DEATH CERTIFICATE 02. B1 03. TAX RASID 04. FOUTI NAMANTRAN 05.VASIYATNAMA 06. PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री अशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./36077/न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 09-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36077
वाई का नाम- 4 यतीयतलतल वाई
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104J00330 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ASHA BISHNOI पिता/पति, श्री/श्रीमती PRAMOD KUMAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ROHIT BISHNOI पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O PRAMOD KUMAR BISHNOI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजि

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर 10वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन कार्यशाला आयोजित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। जागरूकता सप्ताह 05 अक्टूबर 2026 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जिले में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 10वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, कनकपुर-सिलफिली, में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन वर्ष 2026 के विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस Lived E&periences Heard, Real Voices, Real Change की थीम आयोजित पर किया गया। कार्यक्रम में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट श्री सचिन मातुरकर एवं सोशल वर्कर सुश्री प्रियंका मंडल द्वारा जवानों एवं कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व तथा तनाव के प्रभावी प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति की सोच, भावनाओं, व्यवहार, निर्णय क्षमता, कार्यक्षमता तथा पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों से जुड़ा महत्वपूर्ण पक्ष है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होता है। कार्यशाला में बताया गया कि सुरक्षा बलों के जवानों को चुनौतीपूर्ण



ड्यूटी, कार्य का दबाव, सतत सतर्कता, पारिवारिक दूरी, अनियमित कार्य-समय एवं अन्य परिस्थितियों के कारण तनाव का अनुभव हो सकता है। तनाव को कमजोरी नहीं, बल्कि एक सामान्य मानवीय प्रतिक्रिया के रूप में समझते हुए उसका समय पर प्रबंधन करना आवश्यक है। लंबे समय तक बना तनाव व्यक्ति की नींद, एकाग्रता, व्यवहार, शारीरिक

दिखाई देने पर समस्या को छिपाने के बजाय परिवारजन, विश्वसनीय सहकर्मी अथवा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से समय पर परामर्श लेना चाहिए। तनाव प्रबंधन के उपायों पर चर्चा करते हुए नियमित योग, प्राणायाम एवं व्यायाम, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, मनोरंजन एवं रुचिकर गतिविधियों के लिए समय निकालने तथा परिवार और सहकर्मियों के साथ संवाद बनाए रखने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 एवं 1800-891-4416 के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि इस हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क, गोपनीय तथा चौबीसों घंटे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं

सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कार्यशाला में 10वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के श्री प्रशांत सिंह कमांडेंट 10वीं वाहिनी, डॉ. विनीत सिंह, कंपनी कमांडर श्री चंद्रेश नेताम, प्लाटून कमांडर श्री बैगा राम प्रशिक्षण स्टाफ एवं रिश्नर कोर्स 10वीं कर सत्र में सम्मिलित 40 अधिकारी/कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। गौरतलब है आयोजित कार्यशाला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, कार्यशाला नोडल अधिकारी, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. राजेश पैकरा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री संदीप नामदेव के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

सुशासन तिहार के आवेदनों पर निकाय की कार्यवाही सवालों के घेरे में, वार्डों में भेदभाव का आरोप

233 लाख के स्वीकृत कार्यों में वार्ड क्रमांक 2 और 3 को जगह नहीं, कहीं कई काम तो कहीं नाममात्र की मंजूरी-उपाध्यक अंशुल गोयल

सीएमओ पर मुक्तिधाम व मंगल भवन के प्रस्ताव शासन को नहीं भेजने का आरोप



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-नगर पंचायत बिश्रामपुर की नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने सुशासन तिहार के दौरान आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर नगर पंचायत की ओर से की जा रही कार्यवाही पर कई सवालों से घेरे का प्रयास किया है।

अंशुल गोयल ने आरोप लगाते हुए बताया निकाय में अधोसंरचना मद से स्वीकृत 233 लाख रुपये से ऊपर के विकास कार्यों को लेकर वार्डों के बीच असमानता और भेदभाव किया गया है। नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंशुल गोयल ने निकाय प्रबंधन और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि विकास कार्यों की स्वीकृति में सभी वार्डों को समान महत्व नहीं दिया जा रहा है। कई वार्डों के प्रस्ताव शासन स्तर तक नहीं पहुंच पाए, जबकि कुछ वार्डों में अनेक कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

उपाध्यक्ष के अनुसार, वार्ड क्रमांक 2 और 3 में कोई कार्य शामिल नहीं किया गया है, जबकि कुछ वार्डों में नाममात्र के कार्य स्वीकृत हुए हैं। दूसरी ओर, कई वार्डों में एक से अधिक कार्यों को मंजूरी मिली है। ऐसे में विकास कार्यों के वितरण में संतुलन और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वही उन्होंने बताया कि जून 2025 के प्रस्ताव अब हो रहे स्वीकृत, बदली परिस्थितियों में नई प्राथमिकताओं की अन्वेष्टी की गई है। अंशुल गोयल ने कहा कि जून

2025 में तैयार किए गए प्रस्तावों पर अब जाकर स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इतने लंबे अंतराल के बाद वार्डों की आवश्यकताएं और प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। ऐसे में पुराने प्रस्तावों के आधार पर कार्य स्वीकृत करने के बजाय नई परिपद या संबंधित नई कमेटी से वार्डों की वर्तमान जरूरतों के अनुसार प्रस्ताव लिए जाने चाहिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में वार्डों की वास्तविक जरूरतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। उनका कहना है कि विकास कार्यों का चयन करते समय सभी वार्डों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए, ताकि किसी भी क्षेत्र के नागरिकों को उपेक्षा का सामना न करना पड़े।

उपाध्यक्ष ने कहा कि अब सवाल यह है कि सुशासन तिहार में आम लोगों से लिए गए आवेदनों और परिपद में पारित प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई कब होगी। साथ ही, वार्डों के बीच विकास कार्यों के वितरण में सामने आई असमानता को दूर करने के लिए निकाय प्रशासन क्या कदम उठाएगा।

पहली परिपद बैठक के प्रस्तावों के एस्टीमेट तक तैयार नहीं- नगर पंचायत उपाध्यक्ष ने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि 14 जुलाई को परिपद की पहली बैठक में जिन कार्यों को लेकर प्रस्ताव लिए गए थे, उनमें से एक का भी एस्टीमेट आज तक तैयार नहीं किया गया है। इससे विकास कार्यों की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होने की बात सामने आ रही है। उन्होंने मुख्य

नगर पालिका अधिकारी और उप अभियंता की कार्यशैली को उद्देश्यन बताते हुए कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी और जवाबदेही जरूरी है। जब परिपद की बैठक में प्रस्ताव लिए जा चुके हैं, तो उनके तकनीकी प्राक्कलन तैयार करने और आगे की प्रक्रिया पूरी करने में इतनी देरी क्यों हो रही है, यह जांच का विषय है।

मुक्तिधाम और मंगल भवन के प्रस्ताव भी लंबित- उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि लगभग 03 माह पूर्व मुख्यमंत्री जी से स्वीकृति मिलने के बावजूद मुक्तिधाम से संबंधित प्रस्ताव अब तक शासन को नहीं भेजा गया है। वहीं, मुख्यमंत्री द्वारा मंगल भवन निर्माण की घोषणा किए जाने के बाद भी उसका प्रस्ताव शासन स्तर पर भेजने की कार्रवाई पूरी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा और जनहित से जुड़े विकास कार्यों के प्रस्तावों को समय पर आगे बढ़ाना निकाय प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि स्वीकृति मिलने के बाद भी आवश्यक प्रक्रिया लंबित रहती है, तो इसका सीधा असर क्षेत्र के विकास पर पड़ता है।

शासन स्तर पर लगा भेदभाव का आरोप- उपाध्यक्ष गोयल ने कहा कि विकास कार्यों में सभी वार्डों को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। यदि कुछ वार्डों में कई कार्य स्वीकृत किए जाएं और कुछ वार्ड पूरी तरह वंचित रह जाएं, तो इससे नागरिकों में असंतोष पैदा होना स्वाभाविक है। उन्होंने सवाल उठाया कि अखिर किन आधारों पर कार्यों का चयन किया गया और कुछ वार्डों के प्रस्तावों को स्वीकृति क्यों नहीं मिली। उन्होंने मांग की कि स्वीकृत 233 लाख रुपये के कार्यों की वार्षिक समीक्षा की जाए, लंबित प्रस्तावों की स्थिति स्पष्ट की जाए और विकास कार्यों का वितरण वार्डों की जरूरतों के अनुरूप संतुलित तरीके से किया जाए, ताकि किसी भी वार्ड के साथ अन्याय न हो।

जिला चिकित्सालय सूरजपुर में सीटी स्कैन सुविधा से स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ा दायरा, अब तक 302 मरीजों को मिला लाभ

गोपाल सिंह विद्वोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला चिकित्सालय सूरजपुर में सीटी स्कैन सुविधा शुरू होने से जिले के मरीजों को बेहतर एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों के लिए यह सुविधा लाभदायक साबित हो रही है। पहले सीटी स्कैन जांच कराने के लिए मरीजों को आंबिकापुर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा जिला चिकित्सालय सूरजपुर में ही उपलब्ध होने से मरीजों को राहत मिल रही है। सीटी स्कैन जांच की सुविधा से सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर चोट लगने, मस्तिष्क में रक्तस्राव या खून का थक्का बनने, स्ट्रोक एवं पैरालिसिस, कैंसर एवं ट्यूमर, छाती से संबंधित बीमारियों एवं संक्रमण, पेट संबंधी बीमारियों तथा मिर्गी जैसी स्थितियों में मरीजों की जांच करने में सहायता मिल रही है। इससे समय पर गंभीर मरीजों की बीमारी का पता लगाने और आगे के उपचार की दिशा निर्धारित करने में सुविधा हो रही है।

सीटी स्कैन सुविधा में अब तक 302 मरीजों को इस जांच का लाभ



मिल चुका है। जिला चिकित्सालय में रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विधि भारद्वाज एवं सीटी स्कैन टेक्नीशियन अंकुश गुप्ता द्वारा मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। जिला चिकित्सालय में सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध होने से जिले के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर जांच कराने का अवसर मिल रहा है। इससे मरीजों एवं उनके परिजनों के समय और आवागमन के खर्च में बचत हो रही है। साथ ही, गंभीर बीमारियों की पहचान एवं समय पर उपचार की प्रक्रिया को भी मजबूती मिल रही है।

उल्लेखनीय है कि 21 मई 2026 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा



जिला चिकित्सालय सूरजपुर में सीटी स्कैन सुविधा का शुभारंभ किया गया था। जिला चिकित्सालय सूरजपुर में सीटी स्कैन सुविधा का विस्तार जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा आम नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

सोनी इंडिया ने नए यूएलटी पावर साउंड पार्टी स्पीकर्स लाइनअप को किया पेश — साउंड और डिज़ाइन को नया रूप दिया

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज अपने यूएलटी पावर पोर्टेबलियो का विस्तार करते हुए यूएलटी मॉडल की दूसरी पीढ़ी के यूएलटी टावर 5, यूएलटी टावर 7 और यूएलटी टावर मैक्स लॉन्च करने की घोषणा की। दमदार और गहरे बास के साथ शानदार पार्टी अनुभव देने के लिए तैयार किए गए नए यूएलटी पावर लाइनअप में सोनी की खास साउंड तकनीक के साथ बिल्कुल नए और आकर्षक टावर डिज़ाइन को शामिल किया गया है। नए लाइनअप में यूएलटी टावर 5, यूएलटी टावर 7 और यूएलटी टावर मैक्स शामिल हैं, जो अलग-अलग जगहों और पार्टी माहौल के लिए दमदार साउंड उपलब्ध कराते हैं। बिल्ट-इन बैटरी (टावर मैक्स को छोड़कर), आसान पोर्टेबिलिटी और एक्सप्लोर/आरसीए कनेक्टिविटी जैसे डीजे-केंद्रित फीचर्स के साथ ये नए स्पीकर छोटे निजी आयोजनों से लेकर बड़े आउटडोर कार्यक्रमों तक कहीं भी शानदार पार्टी अनुभव देने के लिए तैयार किए गए हैं।

यूएलटी टावर 5- सोनी का नया यूएलटी टावर 5 कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल डिज़ाइन में 300 वाट का दमदार साउंड आउटपुट देता है। इसे पार्टी और मनोरंजन के लिए तैयार किया गया है। स्पीकर में नया विकसित 230 मिमी वूफर, यूएलटी ड्रकट तकनीक, दो ट्विटर और यूएलटी पावर साउंड मोड दिया गया है। यह गहरे बास और हाई साउंड प्रेशर के साथ घर के अंदर और बाहर शानदार आडियो अनुभव देता है। निर्धारित परिस्थितियों में 20 घंटे तक की बैटरी लाइफ़ आईपीएक्स4 वॉटर रेजिस्टेंस, चार हैंडल और वर्टिकल व हॉरिज़ॉन्टल दोनों तरह से रखने की सुविधा के साथ यूएलटी टावर 5 को कहीं भी ले जाना आसान है।

फ्लोरिंग जैसे कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों का उद्देश्य वार्डों में आवागमन को सुगम बनाना, जल निकासी की समस्या को कम करना और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। स्वीकृत कार्यों में वार्ड क्रमांक 5, 6 और 7 सहित कई वार्डों में नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक 8 में शांतिनगर मुख्य मार्ग से ओम शांति तक सीसी सड़क निर्माण, वार्ड क्रमांक 13 में कर्मकांड स्थल पर पेवर ब्लॉक फ्लोरिंग तथा वार्ड क्रमांक 10, 11, 14 और 15 में भी विभिन्न सड़क एवं नाली निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा कई वार्डों में घरों और मोहल्लों को जोड़ने वाली नालियों के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। नगर पंचायत क्षेत्र में सड़क और नाली की बेहतर व्यवस्था लंबे समय से बुनियादी जरूरतों में शामिल रही है। इन कार्यों की स्वीकृति से संबंधित वार्डों में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। विशेषकर बारिश के दौरान जल निकासी और मोहल्लों में आवागमन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में इन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव की चुनौती घोषणा के बाद अब विकास कार्यों को तकनीकी स्वीकृति मिलना नगर पंचायत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन और नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल के प्रयासों से मिली इस स्वीकृति के बाद अब निर्धारित

शर्तों और प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत राशि का उपयोग निर्धारित कार्यों के लिए ही किया जाएगा। निविदा प्रक्रिया, आवश्यक तकनीकी अनुमोदन और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ही निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

कुल मिलाकर, शिवनंदनपुर नगर पंचायत के 31 विकास कार्यों के लिए करीब 2.33 करोड़ रुपये की प्राविधिक स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में विकास की नई उम्मीद जगी है। अब नागरिकों की नजर इन कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन पर रहेगी, ताकि स्वीकृत योजनाओं का लाभ जमीन पर लोगों तक पहुंच सके।

शिवनंदनपुर को 2.33 करोड़ की सौगात, 31 विकास कार्यों को मिली तकनीकी स्वीकृति

चुनाव के दौरान उपमुख्यमंत्री अरुण साव की घोषणा हुई साकार मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन और अध्यक्ष रितेश जायसवाल के प्रयासों से विकास कार्यों को मिली मंजूरी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-नगर पंचायत शिवनंदनपुर के विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर पंचायत क्षेत्र में सड़क, नाली, कल्वर्ट और अन्य बुनियादी सुविधाओं

से जुड़े 31 विकास कार्यों के लिए कुल 233.44 लाख रुपये यानी करीब 2 करोड़ 33 लाख 44 हजार रुपये की प्राविधिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, छत्तीसगढ़ द्वारा 6 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी किया गया है।

नगर पंचायत चुनाव के दौरान छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा शिवनंदनपुर के विकास को लेकर की गई घोषणा अब धरातल पर उतरती दिखाई दे रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन तथा नवनियुक्त नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल के प्रयासों से इन विकास कार्यों को स्वीकृति मिलने का रास्ता प्रशस्त हुआ है। इसे



नगर पंचायत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार, नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में सीसी सड़क, आरसीसी नाली, सीसी रोड, कल्वर्ट निर्माण और पेवर ब्लॉक

संक्षिप्त समाचार हितग्राहियों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करें-कलेक्टर

खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पर एफ़्माईआर के दिए निर्देश, खाद्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न,धान खरीदी तैयारियों की भी ली गई जानकारी



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में खाद्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक खाद्यान्न समय पर पहुंचे और वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता न हो। उन्होंने अनियमितता करने वाले दुकान संचालकों के विरुद्ध एफ़्माईआर दर्ज कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने हितग्राहियों की ई-केवाईसी की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने खाद्य निरीक्षकों को शेष हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण कराने तथा उचित मूल्य दुकानों का निरंतर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी करते हुए हितग्राहियों को सुचारु रूप से लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसान पंजीयन, उपार्जन केंद्रों एवं संबंधित समितियों की तैयारियों, बारदाने की उपलब्धता तथा संग्रहण एवं परिवहन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में पिछले वर्षों की धान खरीदी एवं चालू जमा की स्थिति की भी समीक्षा की गई। धान खरीदी के बाद उपार्जन केंद्रों से समयबद्ध उठाव सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने परिवहन एवं संग्रहण की व्यवस्था सुव्यवस्थित रखने को कहा, ताकि केंद्रों में धान जमा होने से खरीदी कार्य प्रभावित न हो। बैठक में खाद्य अधिकारी,जिला विपणन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, मंडी सचिव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रोज़ाना बादाम का सेवन एडल्ट्स में बेहतर नींद की गुणवत्ता का अनुभव कराने में सहायक हो सकता है

रायपुर। खराब नींद की गुणवत्ता वाले भारतीय एडल्ट्स पर की गई एक नई रैंडमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल में पाया गया है कि रोज़ाना बादाम खाने से नींद की गुणवत्ता बेहतर महसूस करने में मदद मिल सकती है। यह रिसर्च नींद को बेहतर बनाए रखने के लिए फूड-फ़स्ट अप्रोच के एक हिस्से के रूप में बादाम की संभावित भूमिका पर नई जानकारी देती है।

फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन (Frontiers in Nutrition) में प्रकाशित यह रिसर्च (Desai et al., 2026) 21-55 वर्ष की उम्र के 175 भारतीय एडल्ट्स पर की गई, जिन्होंने खराब नींद की गुणवत्ता की जानकारी दी थी। प्रतिभागियों को या तो रोज़ाना 60 ग्राम बादाम (लगभग 50 बादाम) दिए गए या उतनी ही कैलोरी वाला कंट्रोल शैक दिया गया, जिसमें खाद्यरा, चिचड़ा और कैंकर्स शामिल थे।

मुख्य निष्कर्ष- रोज़ाना बादाम खाने से: नींद की कुल गुणवत्ता बेहतर महसूस हुई, जैसा कि प्रतिभागियों ने खुद बताया। स्लीप एप्पिशांसी बेहतर रही, यानी प्रतिभागियों ने बिस्तर पर बिताए समय का अधिक हिस्सा सोने में बिताया। नींद आने में कम समय लगा, जैसा कि प्रतिभागियों ने खुद बताया। रात के दौरान जागने में कमी के कुछ सकारात्मक संकेत भी मिले, हालांकि ये नतीजे अध्ययन में शामिल सभी प्रतिभागियों में लगातार महत्वपूर्ण नहीं रहे।

बादाम कैसे मदद कर सकते हैं?- बादाम में मैग्नीशियम और ट्रिप्टोफैन सहित कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो नर्वस सिस्टम के सामान्य कामकाज और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। मैग्नीशियम नर्वस सिस्टम और मांसपेशियों के सामान्य कामकाज में भूमिका निभाता है, जबकि ट्रिप्टोफैन का उपयोग शरीर सेरोटोनिन और मेलाटोनिन बनाने के लिए करता है। बादाम में प्राकृतिक रूप से थोड़ी मात्रा में मेलाटोनिन के साथ-साथ हेल्वी अनसैचुरेटेड फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं।

रिसर्च में क्या पाया गया?- जिन प्रतिभागियों ने रोज़ाना बादाम का सेवन किया, उन्होंने कंट्रोल शैक का सेवन करने वाले प्रतिभागियों की तुलना में नींद से जुड़े कई पहलुओं में सुधार की जानकारी दी। इनमें नींद की बेहतर गुणवत्ता, बेहतर स्लीप एप्पिशांसी और नींद आने में कम समय शामिल थे।

आलेखा

**सुर, शब्द और संगीत के
त्रिवेणी संगम थे रवीन्द्र जैन**

दृष्टिहीनता को अपनी प्रतिभा के आड़े नहीं आने दिया, संगीत को बनाया जीवन की दृष्टि



संगीत की दुनिया में कुछ लोग अपनी आवाज से पहचान बनाते हैं, कुछ अपनी धुनों से और कुछ अपने शब्दों से। लेकिन रवीन्द्र जैन ऐसी विद्वान्शक्ति शख्सियत थे, जिन्होंने गायन, संगीत निर्देशन और गीत लेखन—तीनों विधाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके रचे गीतों में प्रेम की कामल अनुभूतियाँ हैं, प्रकृति का मनोहारी चित्रण है, जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण है और भक्ति की ऐसी निमित्त धारा है, जो सीधे हृदय में उतर जाती है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना भारतीय फिल्म संगीत के एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय को स्मरण कराना है, जिसकी मधुरता समय के साथ और गहरी होती जा रही है। 18 फ़रवरी 1944 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जन्मे रवीन्द्र जैन के पिता पंडित इंद्रमणि जैन संस्कृत के विद्वान थे और माता किरण जैन थीं। जन्म से दृष्टिबाधित होने के बावजूद रवीन्द्र जैन ने अपनी शारीरिक सीमा को कभी अपनी प्रतिभा की सीमा नहीं बनाया। उनके पिता ने बचपन में ही उनकी संगीत प्रतिभा को पहचान बल दिया और उन्हें संगीत की विधिवत शिक्षा दिलाई। जी.एल. जैन, जगदादन शर्मा और नाथूराम जैसे संगीतज्ञों से शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने सुरों की साधना की। उनके जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने दुनिया की आरंभों से देखने के बजाय अपनी संवेदनाओं, कल्पनाशीलता और संगीत के माध्यम से अनुभव किया।

मंदिरों के भजनों से हिंदी सिनेमा तक का सफर - रवीन्द्र जैन ने अपने संगीत जीवन की शुरुआत मंदिरों में भजन गाणे से की। आध्यात्मिक वातावरण में पली उनका संगीत संधान ने आगे चलकर उनकी रचनाओं को एक विशिष्ट पहचान दी। वर्ष 1972 में फिल्म कां और हीरा से उन्हें हिंदी सिनेमा में उल्लेखनीय अवसर मिला। इस फिल्म के गीत 'नजर आती नहीं भंजिल' को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी। फिल्म भले ही व्यावसायिक रूप से बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी, लेकिन रवीन्द्र जैन के लिए हिंदी फिल्म संगीत के द्वार खुल गए। वर्ष 1973 में अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म सौदागर ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म के गीतों में उनकी रचनात्मकता और संगीत की विशिष्ट शैली उभरकर सामने आई। 'हर प्रभाँ चीज का मैं तलबगार हूँ' में किशोर कुमार का आवाज जवाहर लाल नेहरूवाली इस्तेमाल देखने को मिला। वहीं 'सजना है मुझे सजना के लिए' में शब्दों की लयात्मकता, चंचलता और संगीत का सुंदर तालमेल था। आशा भोंसले की आवाज का सफा यह गीत आज भी श्रोताओं के बीच लोकप्रिय है। रवीन्द्र जैन की कर्मनिष्ठा से जुड़ा एक प्रसंग भी अक्सर याद किया जाता है। कहा जाता है कि फिल्म सौदागर के गीत 'सजना है मुझे सजना के लिए' की रिकॉर्डिंग के दौरान उन्हें अपने पिता के निधन का समाचार मिला। इसके बावजूद उन्होंने गीत का काम पूरा करने के बाद ही स्टीडो छोड़ा। यह प्रसंग उनके संगीत के प्रति सफा दिल और कार्यनिष्ठा को दर्शाता है।

रवीन्द्र जैन और येसुदास : मधुरता की अविस्मरणीय जोड़ी-
रवीन्द्र जैन के संगीत सफर में दक्षिण भारतीय शास्त्रीय संगीत परंपरा से जुड़े महान गायक के.जे. येसुदास का महत्वपूर्ण स्थान रहा। येसुदास की शुद्ध, मधुर और भावपूर्ण आवाज को रवीन्द्र जैन की सरल, सुगंभी धुनों ने ऐसा संगम दिया कि हिंदी फिल्म संगीत को अनेक यादगार गीत मिले। फिल्म चित्रबोरे (1976) इस जोड़ी की रचनात्मक सफलता का उत्कृष्ट उदाहरण है। 'गौरी तेरा गांव बड़ा प्यारा' में गांव की सादगी, प्रकृति की सुंदरता और प्रेम की निश्छलता का ऐसा चित्र उभरता है कि श्रोता स्वयं उस परिवेश का हिस्सा बन जाता है। इसी फिल्म का 'जब दीप जले आना, जब शाम ढले आना' प्रेम की प्रतीक्षा और मिलन की आकांक्षा को अत्यंत सहज शब्दों में व्यक्त करता है। येसुदास और हेमलता की आवाजों ने इसे विशेष मधुरता प्रदान की। 'तू जो मेरे सुर में सुर मिला ले, संग गा ले, तो ज़िंदगी हो जाए सफल' इसमें सुरों की माध्यम से आपसी सामंजस्य और जीवन की सार्थकता का संदेश मिलता है। वहीं 'आज से पहले, आज से ज्यादा खुशी आज तक नहीं मिली' प्रेम में मिली प्रसन्नता को सहज अभिव्यक्ति है। इन गीतों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि रवीन्द्र जैन ने कठिन शब्दावली या अनावश्यक अलंकरण का सहारा नहीं लिया। उनकी भाषा आम आदमी की भाषा थी, लेकिन उसके भीतर काव्यत्वक सौंदर्य और भावनाओं की गहराई मौजूद थी।

गीतों में प्रेम, प्रकृति और अशावाद- रवीन्द्र जैन के संगीत की एक विशेषता यह थी कि उनकी रचनाएं केवल मनोर्जन तक सीमित नहीं रहती थीं, बल्कि जीवन के विविध रंगों को अपने भीतर समेट लेती थीं। फिल्म तपस्या का ‘दो पंछी, दो तिनके, कहीं लोके चले हैं’ कहा, ये बनाएंगे इक आशियाँ’ जीवन में साथ, विश्वास और भविष्य के सपनों का प्रतीक है। किशोर कुमार और आरती मुखर्जी का आवाज में सजा यह गीत अशावादी सोच को अभिव्यक्त करता है। दो पंछियों और कुछ तिनकों के माध्यम से एक छोटे-से संसार को बसाने की कल्पना मनुष्य के उस शाश्वत स्वप्न से जुड़ जाती है, जिसमें प्रेम और सहयोग से अपना आशियाना बनाने की इच्छा छिपी है। फिल्म फकीरा (1976) का ‘दिल में तुझे बिठा के, कर लूंगी मैं बंद आंखें, पूजा करूंगी तेरी’ प्रेम को आराधना का रूप देता है। लता मंगेशकर की आवाज और रवीन्द्र जैन के शब्द-संगीत इस गीत को भावनात्मक ऊंचाई प्रदान करते हैं। इसी फिल्म का ‘तोता मैना की कहानी वो पुरानी पुरानी हो गई’ किशोरी कुमार और लता मंगेशकर की चुलबुली गावकी के कारण श्रोताओं की स्मृतियों में बसा हुआ है। फिल्म दो जासूस का ‘पुखड़िया लेके चली मेरी नैया, जाने कहाँ रे’ भी उनकी संगीत प्रतिभा का उदाहरण है। इस गीत के बोल हसरत जयपुरी ने लिखे थे, जबकि रवीन्द्र जैन ने अपनी धुन से उसमें अलग आकर्षण पैदा किया। लता मंगेशकर और शैलेन्द्र सिंह की आवाजों ने गीत की ओर भी मनबलाना बना दिया।

राज कपूर की फिल्म और पहाड़ों की सुरीली छटा- वर्ष 1985 में प्रदर्शित राज कपूर की फिल्म राम तेरी गंगा मैली रवीन्द्र जैन के करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। इस फिल्म में उनके संगीत ने प्रेम, प्रकृति, लोकधुनों और आध्यात्मिक भावनाओं को एक साथ पिरोया। 'हुल्ल पहाड़ों का, क्या कहना कि बारहों महीने यहां मौसम जाड़ों का' में पहाड़ी प्राकृतिक सौंदर्य का मनोमग्न चित्रण है। सुरेश वाड्डकर और लता मंगेशकर की आवाजों में यह गीत पहाड़ों की ताजगी और प्रेम की चंचलता को जीवंत कर देता है। 'एक रात, एक मीरा' में रवीन्द्र जैन ने प्रेम के दो अलग-अलग रूपों का मार्मिक चित्रण किया। तथा का प्रेम कृष्ण के साथ आत्मीय संबंध का प्रतीक है, जबकि मीरा का प्रेम सम्पूर्ण और भाँक की पराकाष्ठा है। लता मंगेशकर की आवाज में प्रस्तुत यह गीत प्रेम और आध्यात्म के बीच के गहरे संबंध को सामने लाता है। 'राम तेरी गंगा मैली हो गई, पापियों के पाप धोते-धोते' में गंगा के माध्यम से समाज की नैतिक विडंबनाओं को स्वर दिया गया। वहीं 'सुन साहिबा सुन, प्यार की धुन' ने अपनी लयात्मकता और आकर्षक संगीत से व्यापक लोकप्रियता हासिल की। इस गीत के बोल हसरत जयपुरी ने लिखे थे और संगीत रवीन्द्र जैन का था। इसी फिल्म का संगीत यह भी प्रामाणिक करता है कि रवीन्द्र जैन केवल मधुर धुनें बनाने वाले संगीतकार नहीं थे।

तमन्ना रिजवी



हर दौर में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनके शब्दों से कम और उनके जीवन से अधिक होती है। वे बहुत कुछ कहने के बजाय अपने आचरण से समाज को सोचने की एक नई दिशा देते हैं। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का जीवन भी ऐसी ही प्रेरणा का उदाहरण है। उन्होंने प्रसिद्धि की तलाश नहीं की, किसी पद की इच्छा नहीं की और अपने लिए किसी सम्मान की मांग भी नहीं की। लेकिन उनका जीवन शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, करुणा और मानवीय मूल्यों से जुड़े एक ऐसे विचार छोड़ गया, जिन पर आज भी समाज सोच सकता है। आज का समय तेज आवाजों और लगातार दिखाई देने वाली मौजूदगी का समय है। हर व्यक्ति अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना चाहता है। सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि की रफ्तार जरूर बढ़ा दी है, लेकिन उनका असर कम था। उन्नीसवीं शताब्दी है, लेकिन उनका प्रभाव बढ़ा दी है, लेकिन उनका असर कम था। उन्नीसवीं शताब्दी है, लेकिन उनका असर कम था। उन्नीसवीं शताब्दी है, लेकिन उनका असर कम था।

मैं आचार्य विद्यासागर जी का जीवन एक अलग संदेश देता है—समाज पर गहरा प्रभाव डालने के लिए हमेशा बहुत बोलना या दिखाई देना जरूरी नहीं होता। कई बार शांत जीवन और सादगी से जिया गया जीवन भी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा बन जाता है। वे कम बोलते थे, लेकिन उनका जीवन बहुत कुछ कहता था। उन्होंने कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं चलाया, फिर भी सामाजिक सोच को प्रभावित किया। कोई सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन शिक्षा, रोजगार, भाषा, संस्कृति, आत्मनिर्भरता, चिकित्सा और नैतिक जीवन जैसे विषयों पर उनकी दृष्टि व्यापक चर्चा का हिस्सा बनी।

उन्होंने अपने लिए बहुत कम चाहा, लेकिन समाज के लिए कई ऐसे विचार छोड़े, जिन पर आज भी विचार किया जा सकता है। इसीलिए उनका स्मरण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है यह उस भारत के बारे में सोचने का अवसर भी है, जो अपने महान व्यक्तित्वों को किस आधार पर पहचानता है और उन्हें राष्ट्रीय स्मृति में किस स्थान पर रखता है ।

10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगावी जिल्ले के सलतगा गांव में शरद पूर्णिमा की रात विद्याधर अष्टगे का जन्म हुआ। सामान्य पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण से निकला यह बालक आगे चलकर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के प्रमुख नामों में शामिल हुआ। 122 वर्ष की आयु में उन्होंने सांसारिक जीवन का त्याग किया। 30 जून 1968 को अजमेर में आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दिगंबर जैन मुनि दीक्षा ग्रहण की। इसके चार वर्ष बाद, 22 नवंबर 1972 को उन्हें आचार्य पद प्रदान किया गया। बाद के बाद उनका जीवन अनुशासन, साधना और आत्मसंयम की एक लंबी यात्रा बन गया। पैरल यात्राएं, सीमित आवश्यकताएं और कठिन साधना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहीं। लेकिन इस तपस्वी ने उन्हें समाज से दूर नहीं मीटाया। इसके विपरीत, समाज और उसके बीहड़ मौजूद जरूरतों को समझने की उनकी दृष्टि और गहरी होती गई।

उनके लिए अध्यात्म केवल व्यक्तिगत सभ्यता तक सीमित नहीं था। उसमें समाज के सम्पूर्ण जिम्मेदारी का भाव भी शामिल था। शिक्षा केसी हो, युवाओं को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे मजबूत किया जा सकता है, महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार अवसर कैसे मिलें, भारतीय भाषाओं का महत्व कैसे बढ़ाएँ और विकास के साथ संवेदनशीलता कैसे बनी रहे—ये सभी विषय उनके चिंतन का हिस्सा रहे।

आत्मनिर्भरता पर उनका जोर विशेष रूप से उल्लेखनीय था । चरखा और हथकरघे से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के पीछे केवल रोजगार की सोच नहीं थी । इसके साथ श्रम के सम्मान और

अपने पैरों पर खड़े होने का विचार भी जुड़ा था। ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और आजीविका के अवसरों से जुड़े प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखावा देते हैं। चरखा उन्नीस लिए सिर्फ एक साधन नहीं था। वह अपने श्रम पर भरोसा करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का प्रतीक भी था। यही सोच जेलों तक भी पहुंची थी। कोशल और हथकरघा जैसी गतिविधियों के जरिए बंदियों को उपयोगी काम से जोड़ने की पहल के पीछे भी यही विचार था कि किसी व्यक्ति को बेमशहारा नहीं बनाकर रखना समाधान नहीं है। उसे अपनी क्षमता पहचानने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देना ज्यादा जरूरी है।

उनका व्यक्तिव साहित्य और ज्ञान से भी गहराई से जुड़ा था। अनेक भारतीय भाषाओं से परिचित इस संत ने अपने आध्यात्मिक चिंतन को साहित्य का रूप भी दिया। उनकी चर्चित कृति ‘मूकमाटी’ जीवन-चेतना और भीतर के बदलाव पर गंभीर विचारों सामने रखती है। इस रचना का अंग्रेजी अनुवाद उद्भद्र द्दुधरद्वह् शुद्धद्वह् भी सामने आया और राष्ट्रीय भवन में इसका विमोचन हुआ। यह तथ्य भी बताता है कि उनका साहित्य धार्मिक दायरे से बाहर निकलकर व्यापक बौद्धिक और सांस्कृतिक क्षेत्र तक पहुंचा।

शिक्षा को लेकर भी उनकी सोच व्यापक थी। वे केवल डिग्री हासिल करने को शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा का असली अर्थ था—ज्ञान के साथ चरित्र, संवेदना और जिम्मेदारी का विकास। बालिकाओं के लिए मूल्य आधारित शिक्षा की दिशा में काम करने वाली संस्थाओं को भी इसी सोच से प्रेरणा मिली। प्रसिद्धाध्यक्ष ज्ञानोदय विद्यापीठ जैसे प्रवास शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की कोशिश करते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण सेवा से जुड़ा रहा। चिकित्सा को केवल एक पेशे के रूप में देखने के बजाय मानव सेवा का माध्यम मानने की भावना उनके विचारों में दिखाई देती है। भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को लेकर भी उनकी दृष्टि महत्वपूर्ण थी। उनका मानना था कि ज्ञान तभी व्यापक रूप से लोगों तक पहुंच सकता है, जब वह उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध हो। उनकी कर्पणा केवल मुनिक तक सीमित नहीं थी। अहिंसा, पशु संरक्षण, पर्यावरण और सीमित उपभोग के प्रति उनका अग्रह आज के समय में और अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। आज जब विकास और उपभोग के बीच संतुलन बनाना दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है, तब कम से कम

संतोष, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हर जीव के प्रति करुणा का विचार केवल धार्मिक संदेश नहीं रह जाता। यह हमारे सामाजिक जीवन और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है। उनके जीवन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मिली श्रद्धांजलियां भी उनके व्यापक प्रभाव की ओर संकेत करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि आचार्य विद्यासागर जी का जीवन ज्ञान, करुणा और सेवा की निष्प्रेमणा थी। प्रधानमंत्री ने उनके आध्यात्मिक जागरण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान को भी याद किया। उनके अनुसार, उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। वहीं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन के एक समारोह में आचार्य जी की कृति 'मूकमाटी' के बंगला और अंग्रेजी संस्करण प्रस्तुत किए गए थे। उत्तर प्रदेश की तत्कालीन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा था कि उनके आध्यात्मिक जागरण के संदेश हमेशा याद किए जाएंगे और उन्होंने गरीबी उन्मूलन के साथ स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन प्रतिक्रियाओं में एक बात समान दिखाई देती है—आचार्य विद्यासागर जी का प्रभाव किसी एक धार्मिक सीमा में सीमित नहीं था। उनके विचार, शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, भारतीय भाषाओं, संस्कृति, अहिंसा और मानवीय संवेदना जैसे व्यापक विषयों से जुड़े थे।

यहीं से देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान की चर्चा को समझने की जरूरत है ।

क्या ऐसे जीवन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के दायरे में देखा जाना चाहिए ?

आचार्य विद्यासागर जी के लिए भारत रत्न की मांग को केवल किसी एक धार्मिक समुदाय की भावनात्मक मांग के रूप में देखना उनके व्यापक योगदान को सीमित कर देगा। असल सवाल इससे कहीं बड़ा है। यह इस बात से जुड़ा है कि एक लोकतान्त्रिक राष्ट्र अपने उन व्यक्तित्वों को किस तरह पहचानता है, जिन्होंने बिना किसी पद या राजनीतिक शक्ति के समाज को प्रभावित किया।

भारत रत्न किसी व्यक्ति के धर्म, पद या राजनीतिक प्रभाव का सम्मान नहीं है। यह असाधारण राष्ट्रीय योगदान की स्वीकृति है। इसलिए यदि यह सम्मान ऐसे व्यक्तित्व को मिलता है, जिसने शिक्षा, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, साहित्य, भारतीय भाषाओं, सामाजिक सेवा, नैतिक जीवन और करुणा जैसे क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी, तो इसे

केवल एक समुदाय का सम्मान मानना उचित नहीं होगा। बल्कि ऐसे व्यक्ति को यह सम्मान मिलना भारत की लोकतांत्रिक सोच और उसकी व्यापक सामाजिक चेतना भी सम्मान होगा। यह भारत के लोगों के लिए भी गर्व की बात होगी कि देश ने ऐसे लोगों को अपनी राष्ट्रीय स्मृति में विशेष स्थान दिया, जिसने बिना किसी पद या व्यक्तिगत लाभ की इच्छा के समाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

लोकतंत्र केवल सरकार बनाने या चुनाव में भाग लेने का नाम नहीं है। लोकतंत्र उन मूल्यों को भी सम्मान देता है, जो समाज को बेहतर और अधिक संवेदनशील बनाते हैं। इसलिए किसी ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देना, जिसने शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता और मानवीय करुणा को अपने जीवन का आधार बनाया, लोकतंत्र को इसी व्यापक भावना को मजबूत कराता है।

राष्ट्र निर्माण केवल संसद भवन, सरकारी कार्यालयों या सत्ता के गलियारों में नहीं होता। राष्ट्र उन खेतों में भी बनता है, जहां किसान मेहनत करता है। उन स्कूलों में भी बनता है, जहां बच्चे सीखते हैं। उन हाथों में भी बनता है, जो श्रम को सम्मान देते हैं। और उन जीवनों में भी बनता है, जो बिना किसी पद की इच्छा के समाज के लिए कुछ करने का रास्ता चुनते हैं। भारत का लोकतंत्र केवल चुनाव और अधिकांश की व्यवस्था नहीं है। यह एक ऐसी सामाजिक चेतना भी है, जिसमें अलग-अलग विचारों, परंपराओं और जीवन मूल्यों के लिए सम्मान की जगह हो।

इसी दृष्टि से किसी संत के जीवन को राष्ट्रीय सम्मान देना धर्म और राजनीति को मिलाने का प्रयास नहीं, बल्कि समाज के नैतिक और मानवीय योगदान को पहचानने का एक अवसर भी हो सकता है—बशर्ते इसे व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाए।

शायद यही इस मांग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है । आचार्य विद्यासागर जी को यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना केवल एक व्यक्ति को सम्मान देना नहीं होगा। यह उन मूल्यों को सम्मान देना होगा, जिनकी आज भारत को पहले से कहीं अधिक जरूरत महसूस होती है—संयम, करुणा, आत्मनिर्भरता, शिक्षा, सेवा और जिम्मेदारी ।

और शायद इससे भी आगे, यह उस भारत के प्रति विश्वास व्यक्त करने जैसा होगा, जहां किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके पद, प्रसिद्धि या शक्ति से नहीं, बल्कि उसके जीवन के योगदान से तय होती है।

18 फरवरी 2024 को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरि तीर्थ में उनका भौतिक जीवन समाप्त हुआ। लेकिन कुछ जीवन मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते। वे विचार बनकर आगे बढ़ते हैं।

आज उनके जीवन को याद करते हुए हमारे सामने कई सवाल खड़े होते हैं। शिक्षा का अर्थ क्या है ? विकास का अर्थ केवल अधिक उपभोग क्या है या बेहतर जीवन का अर्थ आर्थिक और मानवीय संवेदन के साथ आगे बढ़ सकती है ? और क्या आधुनिक होने का अर्थ अपनी जड़ों से दूर होना है ? इन सवालों के जवाब शादद किसी एक भाषण या किताब में नहीं मिलेंगे। लेकिन उनका संकेत उस जीवन में जरूर दिखाई देता है, जिसने सुविधाओं के बजाय सिद्धांतों को चिन्ता और मूल्य व्यक्तित्व सुख से अधिक समाज के हित और महत्व दिया।

जिस व्यक्ति ने अपने लिए सम्मान नहीं मांगा, उसके जीवन को राष्ट्र सम्मान दे—इससे सुंदर लोकतांत्रिक संदेश और क्या हो सकता है ?

क्योंकि किसी राष्ट्र की महानता केवल उसकी संपत्ति, शक्ति या तकनीक से तय नहीं होती। उसकी असली पहचान इस बात से भी होती है कि वह किन जीवन-मूल्यों को सम्मान देता है और किन लोगों को अपनी राष्ट्रीय स्मृति में स्थान देता है।

आचार्य विद्यासागर जी का मौन आज भी जैसे यही सवाल पृच्छता है । और शायद इस पूरे विमर्श का सबसे गहरा अर्थ भी यही है—क्या हम उस मौन में छिपी आवाज को सुनकर उसे राष्ट्रीय सम्मान देने के लिए तैयार हैं ?

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए न्याय और सुरक्षा को सुदृढ़ करना एक संवैधानिक गारंटी.....

श्री रामदास अठावले



एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस
भरोसे पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा,
समानता और सुरक्षा के साथ जीवन यापन कर
सके। अनुसूचित जातियों (स्ट) और अनुसूचित
जनजातियों (स्ट्र) के लिए यह प्रतिबद्धता
मजबूत संवैधानिक सुरक्षा उपायों, प्रभावी कानूनों
और उत्तरदायी संस्थाओं के माध्यम से ठोस रूप लेती है। इस लिए, भारत सरकार
ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों को सुरक्षा और
समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और
संस्थागत प्रेमवर्क को लगातार मजबूत किया है। इस
प्रेमवर्क का आधार दो प्रमुख कानून हैं: नागरिक
अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 (PCR Act) और
अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार
निवारण) अधिनियम, 1989 (SC/ST (PoA) Act)।
एक वर्षों से इन कानूनों को विधायी संशोधनों, देहतर राहत
और पुनर्वास प्रावधानों, विशेष न्यायिक तंत्रों,
शिक्षाकृत-निवारण प्रणालियों तथा रज्यों और
शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता के जरिए सुदृढ़

किया गया है। जाति-आधारित अत्याचारों के प्रति संसद-दशाल समुदायों की चुनौतियों का अधिक प्रभावशाली और अधिक समान करने के लिए एससी/एसटी (कक्ष) अधिनियम, 1989 में उल्लेखनीय विकास हुआ है। इस दिशा में एक बड़ा कदम 26 जनवरी 2016 से प्रभावशाली संशोधनों के जरिए उठाया गया। इन संशोधनों में अपराधों की वृद्धि सुनवाई के लिए अन्य विशेष न्यायालयों (शुल्कहृद्गत, स्टाफ़-हृद्गत, श्रम-हृद्गत) की स्थापना और अन्य विशेष लोक अधिकारियों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया। अधिनियम में कई नए प्रकार के अत्याचारों को भी शामिल किया गया, जिससे एससी और एसटी समुदायों को उपलब्ध कानूनी सुरक्षा का दायरा व्यापक हुआ। उतना ही महत्वपूर्ण पीड़ितों और गवाहों के अधिकारों से जुड़ा एक समर्पित अध्याय जोड़ना भी था। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के प्रति राय्य स्वीकार की जिम्मेदारियों को और सुदृढ़ किया गया-यह स्वीकार करते हुए कि न्याय केवल मामलों के पंजीकरण और मुकदमों की सुनवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें प्रभावित लोगों की सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वसन भी शामिल होना चाहिए। इसके बाद, 14 अप्रैल 2016 को एससी/एसटी (PoA) नियम, 1995 में संशोधन किए गए। इन संशोधनों ने राहत और पुनर्वास प्रेमवर्क को मजबूत किया, अत्याचार के 47 अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशियों में वृद्धि की और पीड़ितों तथा उनके

आश्रितों को समय पर वित्तीय सहायता के वितरण पर ध्यान देकर जोर दिया। 20 अगस्त 2018 को एससी/एसटी (PoA) अधिनियम में किए गए संशोधन के माध्यम से और भी महत्वपूर्ण बदलाव पेश किए गए। इस संशोधन के तहत नए इस कानून के तहत मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (सबूत) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच का अनिवार्यता को समाप्त कर दिया। इसके अलावा, अधिनियम के तहत अपराधों के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तारी के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता को भी हटा दिया गया। उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था: प्रभावित लोगों को अपराधकारी एससी और एसटी के खिलाफ अत्याचार से जुड़े अपराधों के पंजीकरण, जांच और अभियोजन में बाधा नहीं बननी चाहिए। एससी/एसटी (अपराध) नियम, 1995 में 27 जून 2018 को भी संशोधन किया गया, जिसने मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, एसडि हमले, संपत्ति के नुकसान और कानून के दायरे में आने वाले अन्य अपराधों के मामलों के तहत प्रावधानों को और मजबूत कर दिया। ये सुधार इस महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करते हैं कि कानून के तहत प्रत्येक कर्मचारी पर ही मजबूत नहीं होना चाहिए, बल्कि जब कोई पीड़ित सुरक्षा और न्याय की गृहार लगाए तब उसे सुलभ और संवेदनशील भी होना चाहिए। अनुयायी और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, एससी/एसटी (अत्याचार) अधिनियम, 1989 के तहत अपराधों की सुवादी के

लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं। यह अधिनियम संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से, उन जिलों में जिन न्यायालयों को विशेष न्यायालय के रूप में नामित करने का प्रावधान करता है जहां मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। अन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण का उद्देश्य अधिनियम के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण को सुगम बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों की पहुंच विशेष न्यायिक तंत्र तक हो। कानूनी सुरक्षा तभी सार्थक होती है जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और उचित सहायता प्राप्त कर सकें। इसे ध्यान में रखते हुए, 13 दिसंबर 2021 को एससी और एसटी पर अत्याचार के खिलाफ राष्ट्रीय हेल्पलाइन (NHAA) शुरू की गई, जिसे बाद में 'संबल' (SAMBAL) नाम दिया गया। टोल-फ्री नंबर 1800-202-1989 और शॉर्ट कोड हेल्पलाइन 14566 को एससी/एसटी (PoA) अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अधिक जानकारी के लिए नए सूचना, मार्गदर्शन तथा जागरूकता निवारण तंत्र तक पहुंच को आसान बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह अत्याचार से प्रभावित व्यक्तियों को अपने कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा हमारी जनजातीय संस्कृति, आस्था और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत : मुख्यमंत्री साय

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को बस्तर दशहरा पर्व में शामिल होने का मिला आमंत्रण

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप के नेतृत्व में बस्तर दशहरा समिति, जगदलपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व 2026 में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर बस्तर की समृद्ध जनजातीय परंपरा के अनुरूप प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को पारंपरिक पागा पहनाकर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आत्मीय आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए बस्तर दशहरा के सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बस्तर दशहरा केवल एक पर्व



नहीं, बल्कि बस्तर की सदियों पुरानी आस्था, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक सहभागिता की अनुपम विरासत है। इस पर्व में बस्तर की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक समरसता की सुंदर अभिव्यक्ति दिखाई देती है। हमारी सरकार बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इससे जुड़े

धार्मिक अनुष्ठानों, परंपराओं तथा इस वर्ष के आयोजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

75 दिनों तक चलती है आस्था और परंपरा की अनूठी यात्रा

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है। हरेली अमावस्या से इसकी पारंपरिक शुरुआत होती है और

विभिन्न पूजा-विधानों एवं अनुष्ठानों के साथ यह पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तक चलता है। इस वर्ष 12 अगस्त को पाटजात्रा पूजा विधान के साथ बस्तर दशहरा पर्व का शुभारंभ हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 अक्टूबर को काछनागादी पूजा, 18 अक्टूबर को बेल पूजा तथा 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार का आयोजन किया जाएगा। बस्तर दशहरा के विभिन्न अनुष्ठानों में अंचल के अलग-अलग समुदायों की परंपरागत और महत्वपूर्ण भागीदारी रहती है।

मां दंतेश्वरी की आराधना से जुड़ा है बस्तर दशहरा

बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि बस्तर में दशहरा भगवान श्रीराम की रावण पर विजय के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के प्रति आस्था और आराधना के महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय जैन संघटना छत्तीसगढ़ द्वारा जैन पारिवारिक अदालत का आयोजन

■ लगभग 14 मामलों की सुनवाई, आपसी संवाद एवं सहमति से विवादों के समाधान का प्रयास



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ द्वारा समाज में पारिवारिक एकता, आपसी सद्भाव एवं रिश्तों की मंथुरता बनाए रखने के उद्देश्य से जैन परिवार अदालत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 14 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें संबंधित पक्षों के बीच संवाद, समझाइश एवं आपसी सहमति के माध्यम से विवादों का समाधान निकालने का प्रयास किया गया। श्री विजय गंगवाल – प्रदेश अध्यक्ष, सि.ए. विकास गोलछा – प्रदेश महामंत्री, भारतीय जैन संघटना, छत्तीसगढ़ ने बताया की इस महत्वपूर्ण पहल में भारतीय जैन संघटना के संस्थापक

शांतिलाल जी मुथा सहित 10 से अधिक अनुभवी काउंसलर्स ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। काउंसलर्स ने सभी पक्षों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनते हुए विवादों को सुलझाने, आपसी विश्वास बहाल करने तथा पारिवारिक संबंधों को टूटने से बचाने के लिए सार्थक प्रयास किए। कार्यक्रम के संयोजक संजय सिंघी एवं सह-संयोजक मनोज लुकड़ ने बताया की भारतीय जैन संघटना का स्पष्ट विजन है कि समाज में उत्पन्न होने वाले आपसी मनमुटाव, पारिवारिक विवाद एवं अन्य

मतभेदों का समाधान सामाजिक स्तर पर ही आपसी संवाद, समझाइश और सहमति के माध्यम से किया जाए, ताकि ऐसे विवादों को न्यायालय तक ले जाने की आवश्यकता न पड़े। संस्था की पूर्व राज्य अध्यक्ष प्रमोद लुनावत ने बताया यदि कोई मामला पहले से ही न्यायालय में विचाराधीन है, तो उसमें भी पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से समाधान निकालने तथा विधिसम्मत प्रक्रिया के माध्यम से न्यायालयीन विवाद को समाप्त करने का प्रयास किया जाए।

मोक्ष मार्ग शरीर के बल से नहीं, आत्मा के संकल्प बल से चलता है : मुनि श्री समतासागर महाराज जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि मोक्ष का मार्ग शरीर के बल से नहीं, बल्कि आत्मा के संकल्प बल से प्रशस्त होता है। शरीर कैसा भी हो, यदि मन में दृढ़ निश्चय, साहस और आत्मकल्याण की भावना है तो साधक निरंतर आगे बढ़ सकता है। व्यक्ति मैदान में बाद में हारता है, उससे पहले वह अपने मन में हार मान लेता है। इसलिए जीवन में असफलता मिलने पर भी संकल्प नहीं छोड़ना चाहिए। बार-बार प्रयास करने वाला व्यक्ति एक दिन सफलता अवश्य प्राप्त करता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं प्रचार मंत्री जयकुमार जलज ने बताया, मुनि श्री ने श्रद्धालुओं को रत्नत्रय की आराधना और देव-शास्त्र-गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा के माध्यम से मोक्ष मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर राजस्थान, महाराष्ट्र , कर्नाटक एवं उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश से आये तीर्थयात्रियों ने बड़े बाबा के



चरणों का अभिषेक किया एवं शांतिधारा का वाचन मुनि श्री पवित्रसागर जी महाराज ने किया। शरद पूर्णिमा की पूर्व वेला में 24 एवं 25 अक्टूबर 2026 को कुण्डलपुर में गुरु परंपरा समर्पण समारोह का भव्य आयोजन आयोजित है। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु 10 अक्टूबर दिन शनिवार को दोपहर 1:00 बजे कुण्डलपुर क्षेत्र पर मुनिश्री संघ सानिध्य में एक बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें युवा वर्ग, महिला मंडल सभी सामाजिक धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ उनके सुझाव, मार्गदर्शन, सहयोग की अपेक्षा कुण्डलपुर क्षेत्र कमेटी ने की है।

केदार कश्यप की अगुवाई में मारकंडी नदी व प्राकृतिक जल कुंड पर हुआ स्वच्छता श्रमदान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत चपका स्थित ऐतिहासिक मंदिर परिसर के समीप मारकंडी नदी घाट तथा प्राकृतिक जल कुंड पर एक व्यापक स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महाअभियान का नेतृत्व छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने किया, जहां उन्होंने स्वयं हाथों में झाड़ू और सफाई उपकरण थामकर घाट व जल कुंड की सफाई की और समाज को जल स्रोतों के संरक्षण का सशक्त संदेश दिया। उनके साथ जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप, जनपद पंचायत बस्तर के अध्यक्ष संतोष बघेल तथा जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान ने भी घाट पर उत्तरकर सक्रिय रूप से



श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मिलकर मारकंडी नदी के तट, प्राकृतिक जल कुंड एवं मंदिर परिसर के आसपास फैले कचरे, प्लास्टिक और जलीय अपशिष्ट को पूरी तरह साफकर इस पावन स्थल को एक नया और स्वच्छ स्वरूप प्रदान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने धार्मिक स्थलों, मारकंडी



नदी और इन अमूल्य प्राकृतिक जल कुंडों की स्वच्छता को जन-जन की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। स्वच्छता के इस महती कार्य में विकास विस्तार अधिकारी चंद्रशेखर जैन, ग्राम पंचायत चपका की सरपंच पीलीबाई कश्यप, पंचायत सचिव सहित स्वच्छ भारत मिशन की समर्पित टीम तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल रहे।

पात्र बने मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सुगम बनाना है जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। यह कार्य मतदान केन्द्र में नियुक्त बूथ लेबल अधिकारी द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाएगा। विशेष अभियान अंतर्गत समस्त मतदान केन्द्र में नियुक्त बूथ लेबल अधिकारी से संपर्क कर मतदाता सूची में अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

नशा मुक्त युवा संवाद मेला : नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की पहचान

■ युवाओं ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड, रायपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत विषय पर नशा मुक्त युवा संवाद मेला का आयोजन चंगोराभाठा के सांस्कृतिक भवन जो कि एडॉप्टेड स्लम एरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशामुक्त परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी



सुनिश्चित करना था। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान' के संदर्भ में आयोजित इस कार्यक्रम में नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु युवाओं की जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया गया। यह 100-सप्ताह का राष्ट्रव्यापी

अभियान रोकथाम, सुरक्षा, पुनर्वास एवं नेतृत्व जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से इस अभियान को शैक्षणिक परिसरों तथा अंगीकृत गांवों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। NSS का आदर्श वाक्य स्वयं से पहले आप समाजसेवा एवं सामूहिक

उत्तरदायित्व की भावना को प्रेरित करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं नशामुक्त समाज की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर, लाखे नगर मंडल अध्यक्ष श्री सचिन सिंघेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से डॉ. सृष्टि यु. पाषंद ,दुर्गा याद राम साहू अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समाज कल्याण विभाग से कला प्रथक दल से संतोष चंद्राकर,मुख्य कला पथक प्रमुख, रमेश ठाकुर कला प्रथक सहायक, संदीप कुलदीप , परमात्मा वस्त्रकार

कला प्रथक सहायक उपस्थित रहे। जिला संगठक एवं कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रात्रि लहरी ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों को अभिनंदन करते हुए कहा कि नशा आज युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और सामाजिक जीवन के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस चुनौती का सामना केवल कानून से नहीं, बल्कि जागरूकता, सकारात्मक संवाद, पारिवारिक सहयोग और सामुदायिक सहभागिता से किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने, अपने साथियों को जागरूक करने तथा नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।और बताया कि शपथ, नुक़ड़ नाटक, हस्ताक्षर अभियान,संगीत युवा संवाद द्वारा जागरूक करेंगे।

टोकन के माध्यम से किया जाएगा उर्वरक विक्रय, बढ़ेगी पारदर्शिता

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत सरकार के निर्देशानुसार पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में शीघ्र ही किसानों की टोकन के माध्यम से उर्वरक विक्रय किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने देश भर में उर्वरकों के वितरण, बिक्री और मूल्य नियंत्रण को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए प्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (उर्वरक बिक्री रूपरेखा) की घोषणा की है। इस नए प्रेमवर्क का मुख्य उद्देश्य किसानों के सही समय पर, उचित मूल्य पर और बिना किसी कालाबाजारी के गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना है। नए प्रेमवर्क की मुख्य विशेषताएं- उर्वरक की बिक्री मुख्य रूप से श्पाईंट

ऑफसेलश् (पॉस) मशीनों के माध्यम से आधार या अन्य मान्यता प्राप्त पहचान पत्र के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही की जाएगी। समान और पारदर्शी वितरण-राज्यों और जिलों में उर्वरक की मांग और उपलब्धता को वास्तविक समय निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम(आईएफएमएस) पोर्टल का उपयोग मजबूत किया जाएगा। एमआरपी और मूल्य नियंत्रण-सभी खुदरा विक्रेताओं को अनिवार्य रूप से दुकान के बाहर उर्वरक के स्टॉक और निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) का बोर्ड लगाना होगा। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप मिलेगा प्रशिक्षण, रोजगार के खुलेंगे नए अवसर

■ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की बड़ी पहल, चार संस्थाओं के साथ एमओयू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल शैक्षणिक योग्यता तक सीमित न रखते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी कौशल से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एवं कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं प्रशिक्षण संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू), तकनीकी



शिक्षा में नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत तथा प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।

चार संस्थाओं के साथ एमओयू से युवाओं को मिलेगा बेहतर प्रशिक्षण

दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला 2026 के समापन अवसर पर कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से चार संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) की पहल की गई। इन

समझौतों के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सुविधा होगी।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सहयोग से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और

उद्योगों में उपयोग होने वाले व्यावहारिक कौशल की जानकारी प्राप्त होगी। इसी प्रकार अडानी समूह के सहयोग से आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस पहल से विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता विकसित करने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

विद्यार्थियों के व्यक्ति विकास और रोजगार क्षमता में वृद्धि के लिए नांदी फंडेशन के सहयोग से सॉफ्ट स्किल, अंग्रेजी संवाद कौशल, साक्षात्कार की तैयारी एवं व्यक्ति विकास से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पिछले वर्ष इस संस्था के माध्यम से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष भी आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लगभग 48 से 50 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

एनआईटी की राजभाषा समिति ने ‘आवाहन 26’ का समापन समारोह आयोजित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर की राजभाषा समिति द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को अपने वार्षिक हिंदी महोत्सव ‘आवाहन’26’ का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस महोत्सव के अंतर्गत चक्रव्यूह और शब्दांगन जैसे प्रमुख मॉड्यूल के तहत विभिन्न साहित्यिक, विश्लेषणात्मक एवं सामूहिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें संस्थान के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आवाहन’26 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर



छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीन) डॉ. मनोज कुमार चोपकर भी उपस्थित रहे। इस आयोजन का समन्वय साहित्य समिति के प्रभारी प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार तथा राजभाषा समिति के संकाय प्रभारी डॉ. एस. एन. राव और डॉ. विकास कुमार विद्यार्थी के मार्गदर्शन में किया गया।

अभिव्यक्ति कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पत्र लेखन प्रतियोगिता में स्वप्निल चौबे ने प्रथम, डॉ. सूरज कुमार मुक्ति ने द्वितीय तथा दुर्गेश देवांगन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में डॉ. सूरज कुमार मुक्ति प्रथम, बादल सोनी द्वितीय तथा डॉ. धरमपाल सिंह तृतीय स्थान पर रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बादल सोनी ने प्रथम, दुर्गेश देवांगन ने द्वितीय तथा निष्ठा ठाकरे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रोजगार मेला : बेरोजगारों के जले पर नमक छिड़क रही : कांग्रेस

■ वादा तो 5 सालों में 1 लाख सरकारी नौकरी का था, अब बेरोजगारों को ठगा जा रहा

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा सरकार द्वारा रोजगार मेला लगाकर प्राइवेट कंपनियों में 10 हजार की नौकरी दिलवा कर बेरोजगारों को ठगा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने मोदी की गारंटी में वादा किया था कि प्रदेश में 5 सालों में 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे। आज प्रदेश के सरकारी विभागों में लगभग 1 लाख दस हजार से अधिक पद खाली हैं। अकेले शिक्षा विभाग में 57 हजार पद खाली हैं, स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के 18 हजार से अधिक पद खाली हैं, उच्च शिक्षा विभाग में 3700 पद खाली हैं, पीडब्ल्यूडी में 6 हजार पद खाली हैं, सहकारिता विभाग में 4000, पीएचई 35, वन विभाग में 6000, जेल में 1200, ग्रामीण विकास में 8000, पुलिस विभाग में 7000, आदिम जाति कल्याण 7 हजार पद खाली हैं। सरकार यदि इच्छाशक्ति दिखाये तो एक



लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी में एक माह के अंदर रख सकती है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 5 सालों में 1 लाख सरकारी नौकरी का वादा था, तीन साल में पांच हजार भी भर्ती नहीं। भाजपा को सरकार में आए पौने तीन साल हो गया है जब भाजपा सरकार में आई है युवाओं के लिए सरकारी भर्तियां निकलना बंद हो गई। प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में एक लाख सात हजार पद खाली हैं सरकार भर्ती नहीं निकाल रही है। भाजपा सरकार से सवाल किया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं से किए गए एक लाख सरकारी नौकरियों के वादे का क्या हुआ? भाजपा ने चुनाव के समय मोदी की गारंटी में वादा किया था।

रियल एस्टेट का भविष्य ब्रांड, पारदर्शिता और तकनीक पर निर्भर

■ क्रेड्राई छत्तीसगढ़ की 'नॉलेज सीरीज' में अभिनंदन लोढ़ा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर अब केवल व्यक्तिगत संबंधों पर आधारित व्यवसाय न रहकर ब्रांड, भरोसे और तकनीक संचालित उद्योग में तब्दील हो रहा है। यह विचार ‘द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा’ के संस्थापक एवं चेयरमैन श्री अभिनंदन लोढ़ा ने शुक्रवार को होटल हयात, रायपुर में व्यक्त किए। अवसर था क्रेड्राई छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित नॉलेज सीरीज- पद डिजिटल लैंड रिवोल्यूशनरी का, जिसमें प्रदेश भर के प्रमुख डेवलपर्स और क्रेड्राई सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री लोढ़ा ने कहा कि जो डेवलपर्स



बड़े स्तर पर ग्राहकों का भरोसा जीतते हैं, वे किसी भी शहर के खरीदार तक आसानी से पहुंच सकते हैं—भले ही खरीदार ने कभी प्रोजेक्ट साइट का दौरा न किया हो। उन्होंने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा साझा करते हुए बताया कि प्राइवेट इक्विटी में वर्षों के अनुभव के बाद, वर्ष 2020 में उन्होंने मात्र एक ब्रांड नाम के विज़न के साथ HoABL की नींव रखी थी। आज कंपनी देश भर

में 27 से अधिक स्थानों पर ब्रांडेड लैंड प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक संचालित कर रही है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूर्ण पारदर्शिता को दिया, जहां कंपनी प्लॉट-वार बिक्री, कीमते, एग्रीमेंट और कानूनी मामलों की जानकारी खुले तौर पर साझा करती है। अपने संघर्ष और दृष्टिकोण पर बात करते हुए श्री लोढ़ा ने कहा, हमने शुरुआत पैसे से नहीं, साहस की पूंजी से की थी।

कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत का बस्तर दौरा राजनीतिक पर्यटन से अधिक कुछ नहीं : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस के नवनिर्वाचित छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के बस्तर प्रवास पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। श्री पाण्डेय ने कहा कि सुखदेव भगत का बस्तर दौरा केवल एक ‘राजनीतिक पर्यटन’ बनकर रह गया है। प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति आज इतनी जर्जर और दिशाहीन हो चुकी है कि नए प्रभारी चाहे जितने दौरे कर लें, वे डूबती नैया को किनारे नहीं लगा सकते। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस गंभीर अंतर्कलह और गुटबाजी की शिकार है। पार्टी कई खेमों में बँटी हुई है, जहाँ हर गुट अपनी हथेली-अपना राग अलाप रहा है। प्रदेश में संतान का ढाँचा पूरी तरह लुंज-पुंज और निष्क्रिय हो चुका है। ऐसे बدهाल हालात में प्रदेश प्रभारी भगत के सामने संगठन को खड़ा करने से भी बड़ी चुनौती यह है कि वे आखिर किस गुट को साथेंगे और कैसे?

पूज्य गुरुदेव विजय शांति सूरीश्वरजी स्वर्गारोहण संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूज्य गुरुदेव विजय शांति सूरीश्वरजी का 83वां स्वर्गारोहण महोत्सव 5 अक्टूबर सोमवार को श्री शांति विजय मंडल के तत्वधान में संपन्न हुआ। मंडल द्वारा विगत 44 वर्षों से बड़ी धूमधाम से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

श्री शांति विजय मंडल के अध्यक्ष सुरेश पारख व महासचिव देवेन्द्र मुधा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस दिन बाल आश्रम एवं वृद्धाश्रम में फल गुड़ वितरण उसके पश्चात् दोपहर 2 बजे गुरुदेव की महामंगलकारी अष्टप्रकारी पूजा उसके पश्चात् गुरुप्रसादी रखी गई थी।

रात 9 बजे से भव्य भक्ति संस्था प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें छत्तीसगढ़ अंचल के लगभग 18 भक्ति मंडल बजे जिसमें महिला पुरुष व छोटे



बच्चों ने भाग लिया। विशेष कम आयु के बच्चों द्वारा बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। आयोजित कार्यक्रम के महोत्सव अध्यक्ष परम गुरु भक्त श्री ललित कुमार जाट, कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्री भूषण कुमार कोचर, मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार बोथरा खपर निवासी व श्री दिनेशजी श्री श्रीमाल दल्लीराजहरा निवासी थे। आयोजित महोत्सव श्री जैन दादाबाड़ी एम. जी. रोड में संपन्न हुआ जिसमें विशेष रूप

से श्री ऋषभ देव ट्रस्ट के पदाधिकारी व मंडल के सभी सदस्य तथा समाज के सभी लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मंडल श्री शांति विजय मंडल के सदस्य - सुरेश कानुंगा ,रतन कोटडिया, कमल भंसाली, शांतिलाल बैद, भानु लुनिया, शेखर वैद, दिलीप वैद, अनिल बुरड़, अनिल संचेती, आनंद जैन के अथक प्रयासों से स्वर्गारोहण महोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ।

जीके इलेक्ट्रिक ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में इनोवेशन के लिए IIT भिलाई के साथ MOU साइन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्थित जीके ग्रुप की कंपनी जीके इलेक्ट्रिक ने IIT भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फंडेशन के जरिए IIT भिलाई के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन करने की घोषणा की। इस पार्टनरशिप का मकसद इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जॉइंट रिसर्च, डिजाइन और डेवलपमेंट को आगे बढ़ाना है।

यह MOU IIT भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश की मौजूदगी में साइन हुआ। इस मौके पर जीके इलेक्ट्रिक की तरफ से चेयरमैन श्री अमर परवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO श्री पुनीत परवानी, COO श्री सुरेश दसरी और हेड – फील्ड सर्विस श्री सायन भौमिक मौजूद रहे। IIT भिलाई की तरफ से डॉ. शैलेंद्र कुमार, हेड, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, और प्रो. सोम्या गंगोपाध्याय, डीन ऑफ फैकल्टी ऑफ एंफेस, IIT भिलाई मौजूद रहे।

इस पार्टनरशिप के तहत जीके इलेक्ट्रिक और IIT भिलाई नेकस्ट-



जेनरेशन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के जॉइंट डिजाइन, इंजीनियरिंग और डेवलपमेंट पर मिलकर काम करेंगे — जिसमें एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलॉजी, बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, मोटर, कंट्रोलर और व्हीकल इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। इसके साथ ही लाइटवेट मेटिरियल, थर्मल मैनेजमेंट और स्मार्ट, कनेक्टेड व्हीकल सिस्टम्स पर जॉइंट रिसर्च, और शेयर्ड डिस्ट्रिब्यूशन व सॉफ्टवेयर इंफ्रस्ट्रक्चर कैपेबिलिटीज भी इस MOU के दायरे में शामिल हैं।

इस MOU के तहत दोनों पार्टनर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एंड एडवांस्ड व्हीकल टेक्नोलॉजीज के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सलेंस बनाने, स्टूडेंट्स को इंटरनशिप, लाइव इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स और रिसर्च के मौके देने, और IIT भिलाई के फैकल्टी द्वारा प्रोडक्ट डिजाइन, मैनुफैक्चरिंग, टेस्टिंग और बैटरी टेक्नोलॉजी में जीके इलेक्ट्रिक को टेक्निकल कंसल्टेंसी देने की प्लानिंग पर भी विचार करेंगे।

भारत के प्रीमियर इंस्टीट्यूट्स में से

एक, IIT भिलाई के साथ पार्टनर करना जीके इलेक्ट्रिक के लिए गर्व की बात है। हम गुड्स और पैसंजर्स के लिए लास्ट-माइल मोबिलिटी सॉल्व करने वाले इलेक्ट्रिक श्री-व्हीलर बनाते हैं, और यह पार्टनरशिप हमें इंडिजीनियस टेक्नोलॉजी डेवलप करने में मदद करेगी। — श्री पुनीत परवानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं CEO, जीके इलेक्ट्रिक IIT भिलाई लगातार इंडिजीनियस इंडियन टेक्नोलॉजी बनाने की दिशा में इनोवेशन पर काम करता रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के इंडिया में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के विज़न के मुताबिक, हमें इस दिशा में जीके इलेक्ट्रिक के साथ पार्टनरशिप करते हुए खुशी हो रही है।

— प्रो. राजीव प्रकाश, डायरेक्टर, IIT भिलाई

जीके इलेक्ट्रिक ‘मेक इन छत्तीसगढ़, मेक इन इंडिया’ में विश्वास रखता है। इंडिजीनियस टेक्नोलॉजी डेवलप करने से हमारे प्रोडक्ट्स और मजबूत होंगे, और

हमें IIT भिलाई के साथ काम करने पर गर्व है – हम इस पार्टनरशिप के लिए उनका थैंक्स कहना चाहते हैं।

— श्री अमर परवानी, चेयरमैन, जीके इलेक्ट्रिक

जीके इलेक्ट्रिक, रायपुर मुख्यालय स्थित जीके ग्रुप का हिस्सा है। वर्ष 1960 से विरासत रखने वाला जीके ग्रुप सेंट्रल इंडिया का एक प्रमुख ऑटोमोटिव ग्रुप है, जिसकी मौजूदगी टू-व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में है। जीके इलेक्ट्रिक लास्ट-माइल पैसंजर और कारों मोबिलिटी के लिए इलेक्ट्रिक श्री-व्हीलर का डिजाइन, निर्माण और बिक्री करती है। 5,500+ ग्राहकों और 42 सर्विस टचपॉइंट्स के साथ कंपनी फिन्हाल तीन राज्यों — छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश — में काम कर रही है, और चौथे राज्य ओडिशा में भी ऑपरेशंस शुरू कर रही है।

पी एम आवास योजना 2.0 को मिली गति



■ बीरगांव में 409 हितग्राहियों को मिली भवन अनुज्ञा

बीरगांव (विश्व परिवार)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने और नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा सेतु अभियान’झुमकार आपक द्वार’ संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत बीरगांव नगर

पालिक निगम क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के क्रियान्वयन को गति देते हुए 409 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा प्रदान की गई।शिविर के अंतर्गत केंद्र और राज्य शासन की योजनाओं का हिटी लाभ नागरिकों को मिल रहा है।शिविर में सेवा संकल्प माह के अंतर्गत बीरगांव स्थित आडवाणी आर्लिकोन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित वृहद शिविर में विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं।

